कैप्सूल

कुणाल अकेला अंधेरे में बैठा, अपनी बीती ज़िन्दगी के बारे में सोच रहा था, सिगरेट के लंबे लंबे कस खींचता. उसके हाथ कांप रहे थे, वो सोच रहा था जब पहली बार वो स्वेता से मिला था तब भी तो उसके हाथ कांपते थे, लेकिन जब उसने उसका हाथ पकड़ा था तो वो बिल्कुल शांत हो गया था, जब उसने स्वेता को प्रोपोज़ किया तो स्वेता ने कहा था तुम नही करते तो मैं करती, मैं नही जाने वाली कंही छोड़ के तुम्हे.

दरवाजा खुला, ध्यान टूटा स्वेता अंदर आयी और उसने हॉल की लाइट ऑन की, हॉल में रोशनी हुई और स्वेता ने देखा की पूरा हॉल फूलो से सजा हुआ है वो भी उसके मन पसंद फूलो से, ऑर्चिड, एक बड़ा सा बैनर है जिसपे लिखा है "हैप्पी एनीवर्सरी", स्वेता का चेहरा ब्लश करने लगा, कुणाल बोला "सरप्राइज" और स्वेता भाग के उसके करीब आने को हुई की कुनाल ने उसपे गन तान दी, फाट.

"यस कौन सा कैप्सूल चाहिए आपको", फार्मासिस्ट काउंटर वाली औरत कुणाल को घूर के देख रही थी, कुणाल ने वॉलेट से डेबिट कार्ड निकाला, काउंटर पे रखा ओर बोला "5 ऑवर", काउंटर लेडी डेबिट कार्ड लेते हुए बिलिंग करने लगी, " सर् दीवाली आफर है, 10के देने पे 1 आवर बोनस मिलेगा इफ यु आर प्लैटिनम मेंबर, जो की आप है, कर दु", कुणाल ने लड़की की तरफ देखा जैसे उसकी सकल देख के उसे फैसला लेने में आसानी होगी, वो मुस्कुरा रही थी.

कुणाल ने सिगरेट जलाई और स्वेता ने अपने आप को चादर से ढका, उसकी नजर घड़ी की सुइयों पे गयी ओर वो चौंक गयी, "तुम्हारा टाइम नही हो गया", कुणाल उसकी तरफ मुड़ा , मुस्कुराया और बोला "दीवाली आफर एक घंटे एक्स्ट्रा लेके आया हु", और कुणाल ने अपना हाथ उसके कंधे पे रख दिया, और स्वेता उसकी छाती पे अपना सिर रख के लेट गयी, दोनो कुछ देर ऐसे ही खामोश रहे, सिगरेट के कश लगाए, ढक ढक, कोई जोर जोर से दरवाजा पिट रहा था

कुणाल ने स्वेता को इशारा किया और वो एक इंजेक्शन में सेडेटिव भरने लगी, दोनो धीरे धीरे दरवाजे की तरफ बढ़े, दोनो ने अपने चेहरे ढक लिए, दरवाजा खोला तो 20 साल पहले का कुणाल उसके सामने खड़ा था, उसकी आंखें अलसायी हुई , लड़खड़ाता कुछ बूद- बूदा रहा था "जाने दो मुझे, मैं किसी को कुछ नही बताऊंगा, स्वेता प्लीज अपने बॉयफ्रेंड से बोलो.....", कुणाल ने उसे काबू किया और स्वेता ने सेडेटिव लगा दिया.

ये साल 2049 है, अब टाइम ट्रेवल न सिर्फ मुमकिन है बल्कि अफोर्डेबल भी है, लोग अपने अतीत में जाना कितना पसंद करते है ये बताने की जरूरत नही है, कुछ लोगो के लिए तो ये नशा है, उन्हें अपने आज और अपने भविस्य से कोई मतलब नही वो बस किसी तरह अपने उस हसीन वक़्त में चले जाना चाहते है जिसमे वो सबसे ज़्यादा खुश थे

जिंदा थे, ऐसा पाया गया है की टाइम कैप्सूल लेने वाले लोग मानसिक रूप से पीड़ित होने लगे है और इसलिए दुनिया भर में इसे बैन करने की मांग चल रही है, लेकिन सरकार को इससे बोहोत फायदा है और सरकार इसपे पूरी तरह कंट्रोल करती है, हर आदमी जो की कैप्सूल का इस्तेमाल करता है उसके बॉडी में एक चिप फिट है, जिससे टाइम पुलिस हर आदमी जिसने भी टाइम ट्रेवल किया है उसपे नजर रखती है, समय को बदलना या समय से छेड़ छाड़ करना सख्त मना है,

“हम कब तक इसे यूँही इंजेक्शन देके बेहोश रखेंगे” कुणाल के पास फिलहाल तो स्वेता के इस सवाल का कोई जवाब नही था, उसने स्वेता का माथा चूमा “इस बार आओगे तो जाने नही दूंगी”, “मैं जाना भी नही चाहता”, और उसके हाथ पे लगे बैंड ने 10 का काउंटडाउन शुरू किया, “पीछे हट जाओ”, देखते ही देखते कुणाल गायब हो गया और एक तेज ध्वनि बेडरूम के खिड़कियों की कांच फिर से तोड़ गई।

कुणाल अपने वक़्त अपने आज में वापस पहुंच चुका था , वो सोचने लगा अब ठीक एक महीने बाद वो स्वेता से दोबारा मिल पायेगा, ये १ महीने की दूरी उसे सदियों की लगती थी, ये एक महीने वो मजदूर की तरह काम करता था, पैसे कमाता और खरीदता 5 घंटे का सुकून. वो महीने में इतना कमाता था की कैपिटल में एक अच्छा फ्लैट, एक महँगी गाड़ी अफ़्फोर्ड कर सके, लेकिन सिर्फ ये 5 घंटे का सुकून खरीदने के लिए वो बस्ती में रूम शेयर करता था एक चरसी के साथ.

20 साल पहले उसने अपनी वाइफ को मार दिया था और वो कभी पकड़ा भी नही गया, लेकिन उस दिन के बाद वो बर्बाद हो गया, जब टाइम कैप्सूल का इन्वेंशन हुआ तो पहले पहले तो कुणाल भी बस स्वेता को देखने जाता था, उसे फिर से महसूस करने जाता था लेकिन धीरे धीरे उसे फिर से पाने की चाहत होने लगी, फिर उसने वो वक़्त बदल दिया। स्वेता को बचा लिया और अपने बीते कल को कैद कर दिया।

एक दिन आफिस के कुछ लोगो से कुणाल को पता चलता है की एक आतंकबादी ने अपने शरीर का ट्रैकर हटाने का तरीका ढूंढ लिया है, कुणाल ने जब ये सुना तो उसके अंदर बर्षो से मर चुकी उमीद ने फिर से पैर पसारने शुरू कर दिए. घर जाके उसने टेररिस्ट पे सारे आर्टिकल सर्च किये, डार्क वेब पे भी गया और उसे ट्रैकर हटाने के सारे इंग्रीडिएंट्स की एक लिस्ट बनाई और लग गया उन्हें जुटाने में.

टाइम पुलिस हर किसी पे कड़ी से कड़ी नजर रखी रहती है। लेकिन करप्शन और घूसखोरी इंडिया में कभी बंद हुई है क्या। कुणाल जैसे छोटे मोठे लोगो पे कोई धयान भी नही देता है इसलिए कुणाल ने पुलिस से सेटिंग करके अपना आज और अपना कल दोनो ही छुपाया हुआ है। लेकिन एक गड़बड़ी ओर सब की फाइलें खुलनी शुरू हो जाती है।टाइम पुलिस में नए दरोगा की भर्ती हुई है, दीक्षित की, जो की स्वभाव से स्ट्रिक्ट और कानून का पूरा पालन करने वालो में से है। उसने सारे irregularities पे धयान देना शुरू कर दिया है।

रिपब्लिक डे के दिन सारे फार्मेसी बंद रहेंगे, इसलिए वो 5 घंटे वाली कैप्सूल भी ले आया है, अब समय आ गया है अपना अतीत, अपना आज भूल के भविष्य बनाने का.

कुणाल ने सारि चीजें एक बैग में डाली और अपने कलाइयों पे लगे बैंड पे टाइम और प्लेस सेट किया, लेकिन उसमे ट्रेवलिंग स्टार्टस इन 10 सेकंड लिखने के बजाय एक रेड मार्क आ रहा था। कुणाल ने दोबारा ट्राई किया वही रिजल्ट, उसने बैग नीचे उतारा और बैंड में काउंटडाउन शुरू हो गया। उसने नेट पे पढ़ा तो पता चला उसे बैंड को अपडेट करना पड़ेगा। आउटडेटेड वर्शन से कुछ भी ले जाना allow नही है ओर अपडेटेड वर्शन में उप टू 1 kg allow है। उसके बैग का वजन है 700 g।रात के 11 बजे हौ और 12 बजे के बाद ट्रेवेललिंग रोक दी जाएगी, ऐसे में अभी बैंड को अपडेट करना, वो सोचने लगा, चरसी आया उसके बोहोत पूछने पे कुणाल ने उसे बता दिया। 12 बजने में 20 मीन रह गए थे। चारशी ने एक जॉइंट रोल किया और उसे 5 मिनट नही लगे डार्क वेब पे जाके बैंड को अपडेट करने में। कुणाल नाचने लगा। इतने में दरवाजे पे ढक ढक हुई, टाइम पुलिस वाले थे बोले “आप मिस्टर कुणाल है, आपको हमारे साथ स्टेशन आना होगा।

कुणाल सब कुछ समझ चुका था, उसने कहा अभी आता हु और दरवाजा बंद कर दिया, उसके ऐसा करते ही पुलिस भी सब कुछ समझ गयी, सेकंड नही लगे होंगे उन्हें, उन्होंने दरवाजा खाक में मिला दिया थैंक्स तू नैनो हाइड्रोजन गन।वो अंदर पहुंची तो चरसी जॉइंट मु में दबाये दोनो हाथ ऊपर किये खड़ा था। पुलिस का एक आदमी जो उनमे से हेड था, तुरंत बैडरूम की तरफ भागा। कुणाल के बैंड में अभी 2 सेकंड बचे थे, पुलिस वाला उसकी तरफ झपटा कुणाल उसके हाथ ना आया , लेकिन आ गया उसका बैग, बैग फटा और समय के बीच आधा इधर आधा उधर। पुलिस ने तुरंत headquarter में खबर दी और चरसी को अपने साथ ले गए।

हॉल में कुछ बर्तन गिरे और स्वेता समझ गयी की कुणाल आ चुका है, वो हॉल में दाखिल होते हुए बोली, “बड़ी देर करदी”, और देखा कुणाल कुछ समेटने में लगा गया। कुणाल ने उसे सब कुछ समझाया और बोला आज़ादी के लिए बस एक चीज़ रह गयी है लिथियम नाइट्रेट और हमारे पास टाइम बोहोत कम है और अब हम यहां नहीं रुक सकते ।उन्होंने जरूरत के सारे समान पैक किये। स्वेता ने रिवाल्वर भी रख ली लेकिन कुणाल को नही बताया और निकलने ही वाले थे की दरवाजे पे ढक ढक हुई। अतीत का कुणाल जाग गया था.

4 लोगो की एक टीम टाइम ट्रेवल करके कुनाल और स्वेता के घर पहुंची, लेकिन वहां कोई नही था, ट्रैकर पे देखा तो कुणाल की लोकेशन मूव कर रही थी, और ये बात कुणाल को भी पता थी।

लिथियम नाइट्रेट मिलना कोई आसान काम नही था या बिल्कुल ही आसान था। किसी भी अच्छे यूनिवर्सिटी लैब से इसे चुराया जा सकता था। स्वेता, कुणाल और गाड़ी की डिकी में बंद अतीत का कुणाल तीनो की ज़िन्दगी दाव पे

थी। डर था नही इसलिए लिथियम निकालना मुश्किल नही था। लेकिन वो जैसे ही वहां से निकले पुलिस दरवाजे पे खड़ी उनका वेट कर रही थी। उन्हें वहां से चकमा देके भागे लेकिन अब ये चूहे बिली का खेल ज़्यादा अंतर वाला नही रह गया था।कुणाल ने गाड़ी एक गली के पास छोड़ी और स्वेता को लेके अंदर बस्ती में भागा, वो वंही पला बढ़ा था। पुलिस को नानी याद आ जाती लेकिन ये नही पता चलता की कौन सा रास्ता कहाँ जाता है। फिर भी पुलिस धीरे धीरे पूरी बस्ती में फैल गयी.

कुणाल स्वेता को लेके जल्दी से कुछ सीढियां चढ़ा फिर वो रूम रूम होते हुए, एक बालकनी में आये वहां से कूद के दूसरी मकान के मंजिले में गुस्से और वहां से होते हुए छत पे। स्वेता से कुणाल ने कहा की तुम बताये गए तरीके से केमिकल कम्पोजीशन तैयार करो। स्वेता बुरी तरह घबराई हुई थी। उसके हाथ कांप रहे थे। कुणाल ने अपना हाथ उसके हाथ पे रखा और बोला। तुम्हे करना ही होगा हमारे पास और कोई रास्ता नही है और जैसे और जिस प्रॉपोर्शन में लिखा है ठीक वैसे ही कोई गलती नहीं होनी चाहीए। स्वेता ने हामी भारी। कुणाल ने एक कॉटन फाड़ी अपने उस हाथ में बांधी जिस हाथ में ट्रैकर था फिर एक बड़ा सा चाकू निकाला। उसे पता था वो क्या करने वाला है। कुछ छन के लिए उसके दिमाग ने बोला ऐसा मत करो लेकिन फिर वो तैयार हो गया और उसने दे मारा चाकू अपने हाथ पे। स्वेता ने अभी तक ये देखा नही था नाही उसे पता था की कुणाल ऐसा कुछ करने वाला है।वो तो केमिकल कम्पोजीशन बनाने में लगी थी। उसने तो डायरेक्ट कुणाल का कटा हुआ हाथ देखा वो बुरी तरह चीखने लगी। कुणाल बेहोस होने लगा था।स्वेता ने उसे धामा, कुणाल बोला “ये ट्रैकर केमिकल है, 30 सेकंड में ये पूरे शरीर में फैल जाएगा, हमे जल्दी करना होगा।

टाइम पुलिस ट्रैकर को फॉलो करती हुई आस पास ही थी, लेकिन जैसे ही उन्होंने स्वेता की चीख सुनी वो कन्फर्म हो गए और एक एक कर ऊपर चढ़ने लगे, बस्ती वालो ने स्वेता और कुणाल को थोड़ा और टाइम दिया। वो टाइम पुलिस को रोकने लगे।उधर ऊपर 10 सेकंड रह गए थे। स्वेता का कम्पोजीशन तैयार था।अब बस उसे हाथ पे लगाना बाकी था. पुलिस जैसे तैसे बस्ती वालो को हटाती हुई ऊपर पहुंची तो उन्हें मिला सिर्फ कटा हुआ हाथ और खून, एक पुलिस वाला जो उनका हेड था बोला “जो उनकी गाड़ी के पास खड़ा है उसे contact करो”, जूनियर ने किया लेकिन walky टॉकी पे कोई आवाज नही आई।

कुणाल और स्वेता गाड़ी में कंही दूर ही निकल गए थे, स्वेता की आंखों में आंसू थे और कुणाल आधा बेहोस आधा जागा मुस्कुरा रहा था, स्वेता घड़ी घड़ी उसकी पपियां लेती, एक लंबी सड़क, दो प्रेमी आज़ाद, कितना रोमांटिक था सब कुछ की बैक सीट से उठा 20 साल पहले का कुणाल, एक गोली उसने कुणाल को मारी और दूसरी स्वेता को और बोला

" साला मुझे चुतिया समझता है"

THE END.